

# 高祖承陽大師道元禪師入寂御和讃

作詞 堀口 義一  
伝承 曲

♩ = 45位 しめやかに

(頭) ツヤ (衆) ツヤ

1. き — みよう(オ) — ちよう(オ) — ら い じよう(オ) — よう(オ) — そ — ん —

鈴(右手)  
鈴(左手)

2. き ん — げ ん す — — — — — で に た ゆ — れ — ど — も —  
3. こ し — の お く — — — — — や ま か さ — ま — つ — の —

ツヤ ツヤ ツヤ

け — ん — ちよう(オ) — — — — — ご ね — ん の あ き — な か — ば —

い — きよう(オ) — — — — — の — め — — — — — ぐ み ふ か — く し — て —  
ふ — と — こ ろ — ふ — — — — — か く い だ — か れ — て —

ツヤ ツヤ

お ん — と し ご — じゅう — — — — — し さ — い — に — て —

しょう(オ) — ほう(オ) — げ ん ぞう(オ) — — — — — と こ — し — え — に —  
そ の — な も ゆ か し — く え い — へ — い — じ —

ツヤ

か — — — — — く れ — た ま — い し — — — — — か な — し さ — よ —

ひ と — の よ — て — — — — — ら す — ひ か — り な — り —  
ひ — — — — — ら き — た ま — え る — — — — — とう(オ) — と さ — よ —